मैं एक निवेदन करना चाहूंगा कि इनकी छानबीन की जानी चाहिए और छानबीन करके ऐसे गिरोह को पकड़ा जाना चाहिए। उन महिलाओं को काम पर लगाया जाना चाहिए और उन बच्चों को बाल संरक्षण गृह में भेज कर सामाजिक न्याय विभाग के माध्यम से उनका संरक्षण किया जाना चाहिए। हम यह भी महसूस करते हैं कि कई विदेशी मेहमान भी आते हैं और वह सब ये दृश्य देखते हैं, तो हमारे देश की छवि भी खराब होती है। इसके लिए मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहूंगा कि सरकार इस प्रक्रिया को रोकने के लिए पर्याप्त कदम उठाए, बहुत-बहुत धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Madan Rathore: Shrimati Ramilaben Becharbhai Bara (Gujarat), Shri Amar Pal Maurya (Uttar Pradesh), Dr. Anil Sukhdeorao Bonde (Maharashtra), Shri Mahendra Bhatt (Uttarakhand), Shrimati Sumitra Balmik (Madhya Pradesh), Dr. Sumer Singh Solanki (Madhya Pradesh), Ms. Kavita Patidar (Madhya Pradesh), Dr. Sarfraz Ahmad (Jharkhand), Shri Devendra Pratap Singh (Chhattisgarh), Shri Banshilal Gurjar (Madhya Pradesh), Dr. Bhim Singh (Bihar), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Ram Chander Jangra (Haryana), Shri Naresh Bansal (Uttarakhand), Shri Maharaja Sanajaoba Leishemba (Manipur), Shri Mayankbhai Jaydevbhai Nayak (Gujarat), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Shrimati Jaya Amitabh Bachchan (Uttar Pradesh), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Shrimati Maya Naroliya (Madhya Pradesh) and Shri Sanjeev Arora (Punjab).

Shri Mahendra Bhatt; 'Demand to include fire incidents in the Himalayan States occurring during summer season as natural disaster.'

Demand to include fire incidents in the Himalayan states occurring during summer season as natural disaster

श्री महेंद्र भट्ट (उत्तराखंड): माननीय उपसभापति जी, मैं जिस क्षेत्र से आता हूं, उत्तराखंड, वहां अनेकों आपदाएं आती हैं। वहां पिछले दिनों अग्नि की आपदाएं बड़ी संख्या में हुई हैं। उत्तराखंड में जब इस विषय की चर्चा होती है, तो उसको मानव जनित अग्नि दिखाया जाता है, जबकि सत्य यह है कि जो राज्य वृक्षारोपण में प्रथम स्थान रखता हो, जिसका बहुत बड़ा भूभाग वृक्षों से लदा

मूल कारण है, वह पहाड़ी क्षेत्र है, वहां अनेकों जंगली जानवर होते हैं।

ग्रीष्मकाल में जब वे चलते हैं, तो पत्थर के टकराने से अनेक अग्नि की घटनाएँ होती हैं। महोदय, मैं बताना चाहूँगा कि पहाड़ में पिरूल, जो चीड़ की पत्ती का होता है, उसके कारण बड़ी घटनाएँ होती हैं। हमारी राज्य सरकार ने प्रयास भी किया है और पिरूल की दृष्टि से हमने वहाँ

पिरूल संग्रह केंद्र बनाए हैं। वहाँ 50 रुपए प्रति किलो के हिसाब से पिरूल खरीदने का काम हो रहा है। लेकिन मैं चाहूँगा कि केंद्र सरकार भी इसमें मदद करे।

महोदय, अगर मैं घटनाओं की चर्चा करूँ, तो उत्तराखंड राज्य में 53,483 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र है, जिसमें से वन विभाग के स्वामित्व में 37,999 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र है। इसी प्रकार राजस्व विभाग में 4,768.7 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र आता है। अभी तक, अगर मैं 2018 की चर्चा करूँ, तो 2,186 घटनाएँ हुई हैं और इसमें 3,425 हेक्टेयर खेत जला है। महोदय, 2022 से 30 जून तक 747 घटनाएँ हुई हैं, 8,997.6 हेक्टेयर भूमि नष्ट हुई हैं और 3 लोगों की मौत हुई है। महोदय, नवंबर, 2013 से 13 जून, 2023 की मैं चर्चा करूँ, तो 1,220 घटनाएँ हुई हैं; 1,657.67 हेक्टेयर भूमि नष्ट हुई है और 10 लोगों की मृत्यु हुई है। महोदय, एक प्रकार से मैं कह सकता हूँ कि जिस राज्य के अंदर हम पेड़ लगा रहे हैं, पेड़ की रक्षा कर रहे हैं, पूरे भारतवर्ष को जो ऑक्सीजन देने वाला राज्य बन रहा है, अभी तक इसको हमने दैवी आपदा की श्रेणी में नहीं लिया है।

महोदय, मैं सरकार से माँग करूँगा कि वह कम से कम हिमालयी राज्य, खास कर उत्तराखंड की दृष्टि से मैं चर्चा करूँ, तो इन क्षेत्रों में वनाग्नि के क्षेत्र को भी दैवी आपदा की श्रेणी में ले।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Mahendra Bhatt: Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Shri Madan Rathore (Rajasthan), Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Naresh Bansal (Uttarakhand), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Shrimati Maya Naroliya (Madhya Pradesh) and Shri Mayankbhai Jaydevbhai Nayak (Gujarat).

Shri Sanjay Seth; demand to grant industry status to the real estate sector.

Demand to grant industry status to the Real Estate Sector

श्री संजय सेठ (उत्तर प्रदेश): सर, जो रियल एस्टेट सेक्टर है, वह जीडीपी का एक बहुत बड़ा contributor होता है। मैं सरकार से आज यह अनुरोध करना चाहता हूँ कि रियल एस्टेट को इंडस्ट्री का स्टेटस दिया जाए। मेरी माँग के पीछे यह वजह है कि रियल एस्टेट के इसमें शामिल होने के बाद रियल एस्टेट डेवलपर्स को सस्ते ऋण, महत्वपूर्ण निवेशकों के साथ साझेदारी और इक्विटी में निवेश के लाभ मिल सकेंगे, जिससे परियोजनाओं की कुल लागत कम होगी और ये लाभ सीधे आम नागरिकों तक पहुँचेंगे। इसलिए मैं सरकार से अनुरोध करता हूँ कि वह रियल एस्टेट को इंडस्ट्री स्टेटस देने के लिए आवश्यक कदम उठाए, ताकि हमारे देश की अर्थव्यवस्था को और मजबूत बनाया जा सके। धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Sanjay Seth: Shri Dhananjay Bhimrao